

बारिश से बचने का अनोखा प्रयोग बना सरकारी नजीर

जैतपुर तहसील में छत टपकी तो रख दिए टब-डिब्बे

खबर संक्षेप

कृष्ण जन्माष्टमी पर शहडोल में निकलेगी भव्य महाशोभा यात्रा



शहडोल। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर अखिल भारतीय यादव महासभा, शहडोल द्वारा प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी नगर में भव्य महाशोभा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। अखिल भारतीय यादव महासभा शहडोल के जिलाध्यक्ष राकेश यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि यह भव्य महाशोभा यात्रा 4 सितंबर को दोपहर 01 बजे पुराना बस स्टैंड स्थित शहीद भगत सिंह कॉम्प्लेक्स से गाजे-बाजे और झाँकियों के साथ प्रारंभ होगी।

शोभा यात्रा का मुख्य मार्ग शाहिद भगत सिंह कॉम्प्लेक्स से शुरू होकर यह महाशोभा यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों—जय संतंभ चौक, न्यू गांधी चौक और बुढ़ार रोड से होते हुए नगर भ्रमण करेगी। यात्रा के दौरान भगवान श्री कृष्ण के जीवन पर आधारित आकर्षक सजीव झाँकियों, पारंपरिक नृत्य और भजन-कीर्तन आकर्षण का केंद्र रहेंगे। जिलाध्यक्ष राकेश यादव एवं यादव महासभा की कार्यकारिणी ने नगर व आसपास के क्षेत्रों के समस्त श्रद्धालुओं, समाज के प्रमुख मार्गों और धर्मप्रेमी जनता से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस पावन आयोजन को भव्य और सफल बनाने की अपील की है। महाशोभा यात्रा का नगर में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया जाएगा।

खनिज के अवैध परिवहन करने पर दो वाहन जप्त



शहडोल। कलेक्टर पार्थ जायसवाल के निर्देशन में शहडोल जिले में खनिजों के अवैध भण्डारण, उत्खनन, परिवहन करने पर निरंतर कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। जिला खनिज अधिकारी राहुल शांडिल्य ने जानकारी दी है कि खनिज विभाग के अमले द्वारा बुढ़ार तहसील क्षेत्र का निरीक्षण किया गया एवं खनिज का परिवहन कर रहे वाहनों की जांच की गई जिसमें गिद्दी एवं कोयला खनिजों के अवैध परिवहन करने पर दो वाहनो को जप्त कर थाना बुढ़ार की अभिरक्षा में खड़ा किया गया एवं नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की गई। उक्त कार्यवाही में सहा खनिज अधिकारी अभिषेक पटेल सहित अन्य मैदानी अमला शामिल रहा।

एमसीटी प्रकरणों के संबंध में प्री-सिटिंग बैठक सम्पन्न



शहडोल। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन एवं अधिकाधिक प्रकरणों के आपसी सहमति से निराकरण के उद्देश्य से मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण से संबंधित प्रकरणों के संबंध में प्री-सिटिंग बैठक एडीआर सेंटर जिला न्यायालय शहडोल में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शहडोल श्री काशीनाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान लंबित एम्पसीटी प्रकरणों में पक्षकारों के मध्य आपसी सहमति से अधिकाधिक प्रकरणों के निराकरण, प्रभावी समन्वय तथा लोक अदालत में आवश्यक चर्चा एवं दिशा-निर्देश दिए गए। राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक प्रकरणों का त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित करने हेतु सभी संबंधित पक्षों से सक्रिय सहयोग की बात कही गई।

30 साल पुरानी इमारत में फाइलों के साथ पानी का पहरा, दीवारों में सीलन से करंट का खतरा1.62 लाख की आबादी के 197 गांवों का राजस्व कामकाज संभालने वाले दफ्तर का यह हाल जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर सवाल

शहडोल। जिले के जैतपुर तहसील कार्यालय में बारिश से बचने का इंतजाम व्यवस्था की नजीर बन गया है। 30 साल की इमारत की छत टपक रही है, दीवारों में सीलन है और करंट का खतरा मंडरा रहा है। फाइलों को बचाने टब-डिब्बे रखे गए हैं। सवाल है, जब अपना दफ्तर नहीं संभल रहा, तो जनता के मामलों का क्या हाल होगा? जैतपुर तहसील कार्यालय की तस्वीर इन दिनों सरकारी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। जिस कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारी बैठकर आम लोगों की जमीन, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, प्रमाण-पत्र और अन्य राजस्व संबंधी समस्याओं का समाधान करते हैं, उसी कार्यालय की छत बारिश में जगह-जगह से टपक रही है। पानी को रोकने के लिए कोई स्थायी इंतजाम नजर नहीं आ रहा, बल्कि प्लास्टिक के टब और डिब्बे ही बारिश से बचाव का सहारा बने हुए हैं।

1.62 लाख आबादी, 197 गांव और दफ्तर में टपकती छत

जैतपुर तहसील के अंतर्गत कुल आबादी 1,62,492 है। इसमें

80,812 पुरुष और 81,680 महिलाएं शामिल हैं, जबकि कुल 41,056 परिवार तहसील क्षेत्र में निवास करते हैं। जिला प्रशासन की वर्तमान वेबसाइट पर जैतपुर सब-डिवीजन के अंतर्गत 197 गांव दर्ज हैं। इतनी बड़ी आबादी और इतने गांवों के राजस्व मामलों की जिम्मेदारी जिस तहसील कार्यालय पर है, वहां बारिश से निपटने के लिए टब-डिब्बों का सहारा लिया जाना व्यवस्था की गंभीर तस्वीर पेश करता है। सवाल यही है कि जब जिम्मेदार अधिकारी अपना कार्यालय तक बारिश से नहीं बचा पा रहे हैं, तो आम लोगों की शिकायतों और राजस्व मामलों का समाधान किस मजबूती से किया जाता होगा?

रिकॉर्ड रूम में दस्तावेज, ऊपर टपकती छत

तहसील कार्यालय का रिकॉर्ड रूम सबसे महत्वपूर्ण स्थानों में से एक है, जहां राजस्व से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित रखे जाते हैं। लेकिन यहां भी टपकती छत और सीलन से दस्तावेजों पर खतरा बना हुआ है। उन्हें बचाने के लिए पॉलीथिन से ढकने तक की नौबत आ गई है। कुछ कमरों को पानी और सीलन के कारण खाली भी करना पड़ा है। दीवारों में पानी रिसने से बिजली के करंट का खतरा भी कर्मचारियों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर ऑपरेटर के अनुसार कंप्यूटर और दीवारों में कई बार करंट महसूस हुआ। लोक सेवा गारंटी सहित कंप्यूटर से जुड़े काम करने वाले कर्मचारियों को बरामदे में बैठकर काम करना पड़ रहा है।

तहसीलदार को दूसरे कमरे में बैठना पड़ा

बारिश का असर इतना है कि तहसीलदार को अपने कमरे के बजाय दूसरे कक्ष में बैठकर काम करना पड़ रहा है। न्यायालय कक्ष और अन्य हिस्सों में भी पानी की समस्या सामने आई है। छत पर सोलर सिस्टम लगाने के दौरान कई जगह गड़बड़े किए जाने के कारण भी पानी रिसने की बात सामने आई है। सोलर सिस्टम लगाया जा चुका है, लेकिन बिजली मिलने की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है।

23 साल से भाजपा का गढ़, फिर भी बदहाल सरकारी भवन

जैतपुर विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2003 से भाजपा का प्रतिनिधित्व रहा है। चुनाव के दौरान विकास और सुविधाओं के दावे किए जाते हैं, लेकिन तहसील कार्यालय की यह तस्वीर उन दावों पर सवाल खड़े करती है। करीब तीन दशक पुरानी इमारत में बारिश के पानी से बचाव का स्थायी इंतजाम नहीं होना स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकताओं पर भी सवाल खड़ा करता है। यह तस्वीर महज एक टपकती छत की नहीं है। यह उस सरकारी व्यवस्था का आईना है, जहां आम जनता अपने राजस्व मामलों के समाधान की उम्मीद लेकर पहुंचती है और उसे वहां फाइलों के बीच रखे पानी के टब दिखाई देते हैं। बारिश से बचने का यह अनोखा प्रयोग अब व्यवस्था की नजीर बन गया है।

भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित की गई परीक्षा 600 से अधिक छात्र हुए शामिल

शहडोल। भारत विकास परिषद स्वामी विवेकानंद शाखा शहडोल द्वारा भारत को जानो सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन नगर के विभिन्न विद्यालयों में किया गया। परिषद के केंद्रीय कार्यालय की योजना के अनुसार विद्यार्थियों में राष्ट्रीय गौरव की चेतना को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से विद्यालय स्तर पर कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्गों के विद्यार्थियों के मध्य यह प्रतियोगिता प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है। प्रतियोगिता के संबंध में जानकारी देते हुए परिषद की सचिव नीति सिंगल ने बताया कि प्रतियोगिता की तैयारी के दौरान विद्यार्थियों को भारत को जानो नामक पुस्तक उपलब्ध कराई गई थी, जिसमें भारत की उपलब्धियां और गौरव पूर्ण गाथा के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं धार्मिक कथाओं का संकलन किया गया है।प्रतियोगिता मुख्यतः पुस्तक के आधार पर ही



आयोजित की जाती है। इस वर्ष यह आयोजन अखिल भारत स्तर पर एक ही दिनांक में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में नगर के कुल 12 विद्यालयों के 755 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता के लिए पंजीयन कराया जिसमें से 620 विद्यार्थियों ने शामिल होकर अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में सतगुरु पब्लिक

स्कूल, ज्ञानोदय, सेंट्रल एकेडमी, भारत माता, सरस्वती शिशु मंदिर, हायर सेकेंडरी पिपरिया, सांदीपनि छतवई, ब्राइटन, सेंट एलायसिस तथा महर्षि विद्या मंदिर के विद्यार्थी सम्मिलित हुए। प्रतियोगिता का संयोजन अखिलेश शर्मा ने किया। उन्होंने सभी विद्यालयों के संचालक गणों एवं प्राचार्यों के प्रति आभार ज्ञापित किया जिन्होंने प्रतियोगिता के

आयोजन में सहयोग दिया। प्रतियोगिता के संचालन में परिषद अध्यक्ष मनीष गुप्ता, रिंकी दुबे, प्रकाश गुप्ता, ममता नेमा, गौरव मिश्रा ,अशोक सराफ, एसएस जौहरी, संगीता मोर अशोक मोर, अजय शर्मा, विजय जैन रविंद्र गुप्ता, विजय केसरवानी, नेहा गुप्ता, अनिल दीक्षित, सुजा गुप्ता, देवेंद्र गुप्ता की विशेष भूमिका रही।

छात्रवृति वितरण अति संवेदनशील कार्य, उदासीनता पर होगी सख्त कार्यवाही: कमिश्नर सीएम हेलपलाइन की शिकायतों का सर्वोच्च प्राथमिकता से निराकरण कराएं

कमिश्नर ने जनजातीय कार्य विभाग के कार्यों की संभाग स्तरीय समीक्षा की

शहडोल। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने कहा है कि छात्रवृति वितरण का कार्य अति संवेदनशील कार्य है। छात्रवृति वितरण के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही और उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा है कि छात्रवृति कार्य में उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं कि छात्र-छात्राओं को छात्रवृति के सुचारू वितरण के लिए छात्र-छात्राओं का प्रोफाइल पंजीयन और ओटीआर समय-सीमा में कराएं और छात्र-छात्राओं को छात्रवृति का वितरण कराएं। कमिश्नर ने संभाग के करकेली, ब्यौहारी, गोहपारू, बुढ़ार और मानपुर ब्लॉक में प्रोफाइल पंजीयन और ओटीआर की स्थिति बेहद खराब होने पर खण्ड शिक्षा अधिकारी करकेली, ब्यौहारी, बुढ़ार, गोहपारू और मानपुर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। कमिश्नर ने एक सप्ताह की समयवधि में प्रोफाइल पंजीयन और ओटीआर के कार्य में प्रगति नहीं आने पर सख्त कार्यवाही करने की चेतावनी भी अधिकारियों को दी है। कमिश्नर ने उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग शहडोल को प्रोफाइल



पंजीयन और ओटीआर कार्य की अपने स्तर पर सतत समीक्षा करने के निर्देश भी दिए। कमिश्नर ने उक्त निर्देश मंगलवार को जनजातीय कार्य विभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए। बैठक में कमिश्नर ने अनुसूचित जाति एवं जनजातीय वर्ग के छात्रों को आवास सहायता योजना की जिलेवार समीक्षा की। समीक्षा के दौरान आवास सहायता योजना में अपेक्षित सत्यापन कार्य नहीं होने पर कमिश्नर ने नाराजगी व्यक्त की तथा निर्देश दिए कि सत्यापन कार्य तेजी से पूर्ण कराएं। समीक्षा के दौरान कमिश्नर ने कहा कि शहडोल संभाग के सभी छात्रावासों एवं आश्रमों में कोई भी सीट रिक्त नहीं रहनी चाहिए, इसके लिए जनजातीय कार्य विभाग के मैदानी अधिकारी सतत रूप से प्रयास करें। बैठक में सांदीपनि स्कूल भवनों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सांदीपनि स्कूलों का निर्माण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराएं।

बैठक में सीएम हेलपलाइन की शिकायतों की जिलेवार समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने निर्देश दिए कि सीएम हेलपलाइन की शिकायतों का

निराकरण सभी अधिकारी प्राथमिकता के साथ करें। बैठक में कमिश्नर ने कर्मचारियों को समयमान और क्रमोन्तति का लाभ भी शासन के निर्देशों के अनुरूप देने के निर्देश दिए। बैठक में कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संभाग के सभी छात्रावासों का संचालन सुचारू तरीके से करें। शासन द्वारा छात्रावासों के संचालन के लिए दी जा रही राशि का सही उपयोग करें। छात्रावासों में समुचित साफ-सफाई हो, छात्र-छात्राओं को छात्रावासों में शिक्षा ग्रहण करने का अच्छा वातावरण मिले, इस दिशा में सकारात्मक प्रयास करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि छात्रावासों के संचालन से संबंधित कोई शिकायत प्राप्त होती है या छात्रावासों के संचालन में किसी प्रकार की उदासीनता की जाती है, ऐसी स्थिति में संबंधित जवाबदेह अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। कमिश्नर ने छात्रावासों के सतत निरीक्षण के लिए जिन अधिकारियों की इयूटी लगाई गई है, उन्हें और अधिक सक्रिय करने के भी निर्देश दिए। बैठक में कमिश्नर ने प्रधानमंत्री जनमन योजना, धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के कार्यों की भी समीक्षा की।

ईद मिलादुन्नबी पर सदा-ए-मदीना कमेटी ने आयोजित की इस्लामी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

मदरसे के छात्र-छात्राओं ने दीनी सवालों के जवाब देकर दिखाई प्रतिभा, हाफिजों व मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

धनपुरी। ईद मिलादुन्नबी के सुबारक मौके पर सदा-ए-मदीना कमेटी धनपुरी के तत्वावधान में मदरसे में अध्ययनरत तलबा (छात्रों) एवं बच्चों के लिए विशेष इस्लामी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में इस्लाम धर्म, दीनी तालीमी एवं धार्मिक विषयों से जुड़े सवाल-जवाब के साथ छात्र-छात्राओं के बीच एक-दूसरे से प्रश्न पूछने और उनके उत्तर देने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम को लेकर मदरसे के बच्चे काफी उत्साहित नजर आए। विद्यार्थियों ने इस्लामी सवाल-जवाब के माध्यम से अपनी दीनी जानकारी और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कुछ बच्चों ने दीन के साथ-साथ दुनिया के मौजूदा हालात पर भी अपने विचार प्रस्तुत किए, जिसकी उपस्थित लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम का आयोजन सदा-ए-मदीना कमेटी धनपुरी के अध्यक्ष मकसूद खान बाबा के मार्गदर्शन तथा कार्यक्रम संचालक एवं मदरसा संचालक मोहम्मद अशफाक लल्लू और कमेटी के सहयोगियों के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में धनपुरी नगर के नागरिकों के साथ अंजुमन कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्य तथा राजनीतिक और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग भी शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन नमाज-ए-नगारिब के बाद किया गया, जो काफी समय तक चला। प्रतियोगिता के समापन के बाद मदरसे के सभी छात्र-छात्राओं एवं तलबा को उपाहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही कुरआन-ए-पाक हिफज कर हाफिज बनने वाले विद्यार्थियों का भी सम्मान किया गया।

कक्षा 10वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले



विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण हाजियों के हाथों करवाया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अशफाक रिद्दीकी, असलम मामा, मोजम खान, जुल्फिकार अली सहित अन्य सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर समाजसेवी राशिद खान, नूरी मरिजिद के सदर शाहनवाज अंसारी, मदीना जमा मरिजिद के सदर मोहम्मद फरीद सहित धनपुरी के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कलाम मोहम्मद एडवोकेट ने किया। मौलाना अशफाक रिजवी द्वारा दुआ कराई गई। धनपुरी नगर की विभिन्न मरिजिदों के पेश इमाम भी मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में धनपुरी नगर के वरिष्ठ नागरिक मोहम्मद रफीक खान, राजू कलाम मोहम्मद, बुढ़ार के शौकत अली, नवाब मोहम्मद, हाफिज करीम, तबरेज खान सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों में दीनी जानकारी के साथ आत्मविश्वास और शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अंत में कार्यक्रम संयोजक मोहम्मद अशफाक लल्लू ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों, नागरिकों, कमेटी सदस्यों एवं सहयोगियों का शुक्रिया अदा करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

चाय की गुमटी चकनाचूर, गड़्यों और ओवरलोडिंग का जानलेवा कॉम्बो पड़ा भारी सिंगल टोला फाटक पर पलटा लट्टों से लदा ओवर लोड ट्राल



उमरिया। सिंगल टोला रेलवे फाटक के पास बुधवार की अलसुबह बड़ा हादसा होते-होते टल गया। लकड़ी के भारी-भरकम लट्टों से लदा एक ओवरलोड वाहन रेलवे फाटक के समीप बने गहरे गड़्यों की भेंट चढ़ गया और बेकाबू होकर सड़क किनारे पलट गया। गनौमत रही कि जिस वक्त यह हादसा हुआ, उस समय सड़क की दूसरी ओर कोई दूसरा वाहन या राहगीर नहीं था, वरना मंजर खौफनाक हो सकता था। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अनियंत्रित वाहन ने सड़क किनारे बनी चाय-नाश्ते की एक गुमटी को पूरी तरह रौंदकर चकनाचूर कर दिया। सुबह का वक्त होने के कारण गुमटी पर श्राहकों की भीड़ जमी थी, जिससे एक बड़ा जानी नुकसान टल गया और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

चिल्हारी बस स्टैंड पर बेकाबू हाईवा ने मासूम की ली बलि

मानपुर। चिल्हारी बस स्टैंड पर बुधवार की सुबह एक दर्दनाक हादसे में 12 वर्षीय मासूम मनजीत की जान चली गई। हरछठ व्रत के पावन पर्व पर घर में पूजा-पाठ की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन तेज रफ्तार और रेत से भरे काल रूपी हाईवा ने पल भर में एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां मातम में बदल दीं। दूध लेकर लौट रहा था घर, रास्ते में ही थम गई सांसें— जानकारी के मुताबिक, चिल्हारी निवासी लालमन कोल का 12 वर्षीय बेटा मनजीत साइकिल से बस स्टैंड पर दूध-दही लेने गया था। उपवास के लिए दूध लेकर वह घर और अमलियाई हार स्थित खेत की ओर लौट रहा था। इसी दौरान चिल्हारी बस स्टैंड के पास रेत से भरे बेकाबू हाईवा (क्रमांक एमपी 19 एचए 7552) ने मासूम को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मनजीत के सिर पर गंभीर

चोट आई और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

सड़क पर बिखरा खून, गामीणों में भारी आक्रोश— हादसे के बाद सड़क पर खून और बिखरा हुआ दूध देखकर हर किसी का कलेजा कोप उठा। घटना की खबर फैलते ही केकड़ों गामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जिस बेटे के हाथ में कुछ देर पहले पूजा की सामग्री थी, उसकी लाश देखकर मां-बाप बेसुध हो गए। पुलिस ने हाईवा किया जल्त, जांच शुरू— सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और मासूम के शव को पंचनामे के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने हादसे में शामिल रेत से लदे हाईवा को अपने कब्जे में ले लिया है और चालक के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। क्षेत्र में रेत के ओवरलोड और अनियंत्रित गति से दौड़ते भारी वाहनों को लेकर गामीणों में गहरी आक्रोश व्याप्त है।

संतुलन बिगड़ गया और वाहन सीधा पलट गया।

जिम्मेदार विभागों की चुप्पी पर उठे सवाल

स्थानीय निवासियों में इस घटना को लेकर खासा आक्रोश है। लोगों का कहना है कि सिंगल टोला फाटक के पास सड़क लंबे समय से बदहाल है, लेकिन लोक निर्माण विभाग और खनिज/परिवहन विभाग आंखें मूंदे बैठा है। क्षमता से अधिक लकड़ी लादकर फर्राटा भरने वाले भारी वाहनों पर पुलिस और परिवहन विभाग की कोई नकल नहीं है। ग्रामीणों ने चेताया है कि यदि समय रहते गड़्यों की मरम्मत नहीं की गई और ओवरलोड गाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो अगली बार यह लापरवाही किसी मासूम की जान ले सकती है। प्रशासन को किसी बड़े हादसे के इंतजार के बजाय तुरंत हरकत में आना होगा।



खबर संक्षेप

पुष्पराजगढ़ में होगा जगदुरु माऊली सरकार अंतर्राज्यीय फुटबॉल चैंपियन ट्रॉफी-2026



अनूपपुर। युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने एवं ग्रामीण प्रतिभाओं को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान करने

के उद्देश्य से त्योदिये पाद पंकज नमामि देवी नर्मदे गाम जोड़ो अभियान के तहत पुष्पराजगढ़ में जगदुरु माऊली सरकार अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियन ट्रॉफी वर्ष-2026 का आयोजन समिति के संरक्षक भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। आयोजक नर्मदावल वीर शिवाजी युवा संगठन, पुष्पराजगढ़ जिला अनूपपुर द्वारा आयोजित इस फुटबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रतियोगिता के प्रथम विजेता को 51 हजार रुपए तथा द्वितीय विजेता को 25 हजार रुपए का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा अंडर-17 वर्ग में प्रथम विजेता को 21 हजार तथा द्वितीय पुरस्कार 11 हजार रुपए, जबकि बालिका वर्ग में प्रथम पुरस्कार 11 हजार एवं द्वितीय पुरस्कार 5100 रुपए रखा गया है। आयोजकों के अनुसार क्वालीफाई मैच के बाद चयनित चारों सेमीफाइनल टैमों को भी 11-11 हजार रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। प्रतियोगिता के लिए पंजीयन 1 सितंबर से 25 सितंबर तक किया जा रहा है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में दान दाताओं को पुरस्कृत किया जाएगा

उमरिया। सशस्त्र सेना झंडा दिवस वर्ष 2026-27 के अंतर्गत सात दिसेंबर 2025 से 6 दिसंबर 2026 तक के लिए शासन स्तर से उमरिया जिले को 3 लाख 43 हजार 500 रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसकी पूर्ति कार्यालयों एवं विभागा प्रमुखों द्वारा की जाएगी। कोई भी व्यक्ति स्वेच्छा से भी दान कर सकता है। दान की गई राशि में आयकर से छूट का भी प्रावधान है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस में व्यक्तितगत अथवा संस्था से एक लाख रुपये या उससे अधिक दान देने वाले दानदाताओं, संस्थाओं को राज्य पाल महोदय द्वारा राज भवन में ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया जाएगा।

कन्या छात्रावास की छात्रों को मिलेगी कोचिंग

उमरिया। जिला स्तरीय उत्कृष्ट सीनियर कन्या छात्रावास में कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं तक के निवासरत छात्रों को अंग्रेजी, हिंदी, गणित एवं कम्प्यूटर की कोचिंग दी जाएगी। अर्थात् कोचिंग देने वाले महिला शिक्षकों से 9 सितंबर तक आवेदन करने की अपेक्षा की है। संबंधित विषय में शिक्षक को गेजुएशन एवं पोस्ट गेजुएशन स्तर पर 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक है जबकि कम्प्यूटर शिक्षक को बीसीए, पीजीडीसीए होना अनिवार्य है।

शिकायत के बाद देर शाम पहुंचे तहसीलदार तब सक्रिय दिखा कालरी प्रबंधन



शहडोल। रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट से प्रभावित ग्राम बैरिहा में बारिश के बाद जलभराव की समस्या ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दीं। ग्रामीणों ने एसईसीएल और जय अंबे प्राइवेट लिमिटेड पर लापरवाही के आरोप लगाए। शिकायत के बाद देर शाम तहसीलदार बुढार मौके पर पहुंचे और कालरी प्रबंधन के जिम्मेदारों की मौजूदगी में पानी निकासी की व्यवस्था शुरू कराई गई। रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट से प्रभावित ग्राम बैरिहा में जलभराव की गंभीर समस्या को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश देखने को मिला। बारिश के बाद गांव के कई हिस्सों में पानी भर जाने से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया। ग्रामीणों का आरोप है कि परियोजना क्षेत्र में चल रहे कार्यों के दौरान पानी की प्राकृतिक निकासी व्यवस्था प्रभावित हुई है, जिसके कारण बारिश का पानी गांव की ओर जमा हो रहा है। ग्रामीणों के

मुताबिक, रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट में कार्यरत एसईसीएल के स्थानीय अधिकारियों तथा संबंधित कार्यदायी एजेंसी के स्तर पर किए जा रहे कार्यों के दौरान नीचे की ओर बहने वाली कठना नदी के प्राकृतिक जलमार्ग में अवरोध पैदा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि नदी और पानी निकासी के रास्ते बाधित होने के कारण बारिश का पानी आगे नहीं निकल पा रहा और इसका सीधा असर ग्राम बैरिहा पर पड़ रहा है।

जलभराव के चलते गांव में आवागमन भी प्रभावित हुआ। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को पानी के बीच से निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि कई स्थानों पर स्थिति इतनी खराब हो गई कि घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। कुछ परिवारों को सुरक्षित स्थान की ओर जाने की चिंता भी सताने लगी। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि समस्या उत्पन्न होने के बाद जब संबंधित अधिकारियों और

कठना नदी का प्राकृतिक जलमार्ग बाधित होने से पानी गांव में घुसने का आरोप एसईसीएल और जय अंबे प्राइवेट लिमिटेड पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल शिकायत के बाद मौके पर पहुंची प्रशासनिक टीम कालरी प्रबंधन के जिम्मेदारों की मौजूदगी में कराई गई पानी निकासी की व्यवस्था

जिम्मेदार कर्मचारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो कई बार फोन नहीं उठाया गया। इससे ग्रामीणों में नाराजगी और बढ़ गई। उनका कहना था कि जब गांव के सामने गंभीर जलभराव की स्थिति बनी हुई है, तब जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर समस्या का समाधान करना चाहिए। मामले को सामाजिक कार्यकर्ता अखिलेश त्रिपाठी ने भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने ग्राम बैरिहा पहुंचकर ग्रामीणों से चर्चा की और जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। त्रिपाठी ने कहा कि विकास परियोजनाओं के नाम पर ग्रामीणों को मूलभूत समस्याओं से जूझने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। उन्होंने कठना नदी के प्राकृतिक बहाव को बाधित किए जाने के आरोपों की जांच कराने की मांग की। उन्होंने एसईसीएल और जय अंबे प्राइवेट लिमिटेड से तत्काल पानी निकासी की व्यवस्था करने तथा नदी के प्राकृतिक जलमार्ग को बहाल करने की मांग की। ग्रामीणों ने भी मांग रखी कि परियोजना क्षेत्र में किए जा रहे निर्माण एवं अन्य कार्यों के कारण यदि पानी की निकासी प्रभावित हुई है तो संबंधित स्थानों का तत्काल निरीक्षण कर स्थायी समाधान किया जाए।



शिकायत के बाद हरकत में आया प्रशासन

ग्रामीणों की शिकायत और लगातार बढ़ती समस्या के बाद देर शाम तहसीलदार बुढार मौके पर पहुंचे। उनके साथ कालरी प्रबंधन के जिम्मेदार अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। मौके पर जलभराव की स्थिति देखने के बाद पानी निकासी की व्यवस्था कराने की कार्रवाई शुरू की गई। इसके बाद ग्रामीणों को तत्काल राहत मिलने की उम्मीद जगी। ग्रामीणों का कहना है कि अस्थायी रूप से पानी निकालने की व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। यदि कठना नदी के प्राकृतिक बहाव और जल निकासी के मूल रास्ते को व्यवस्थित नहीं किया गया तो आने वाली बारिश में दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से स्थायी

समाधान कराने की मांग की है। बड़े आंदोलन की चेतावनी: ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ता अखिलेश त्रिपाठी ने चेतावनी दी है कि यदि ग्राम बैरिहा में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीणों के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और यह पता लगाने की मांग की है कि पानी की प्राकृतिक निकासी व्यवस्था आखिर किन परिस्थितियों में बाधित हुई। अब देखना होगा कि देर शाम प्रशासन और कालरी प्रबंधन द्वारा कराई गई पानी निकासी की व्यवस्था कितनी प्रभावी साबित होती है और क्या कठना नदी के प्राकृतिक जलमार्ग को स्थायी रूप से बहाल किया जाता है। फिलहाल ग्रामीणों की नजर प्रशासन और परियोजना प्रबंधन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है।

भाजपा जिला मंत्री श्रीमती दुर्गावती पटेल की पहल से खुली बंद नाली



ग्रामीणों को जलभराव से मिली राहत

अनूपपुर। जिले के अनूपपुर तहसील अंतर्गत गाम पंचायत देवरी के दमकी टोला में पानी निकासी की नाली बंद किए जाने के कारण स्थानीय ग्रामीणों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। बताया गया कि कांग्रेस पदाधिकारी सुखनिराज साहू द्वारा जलभराव के चलते गांव में आवागमन भी प्रभावित हुआ। ग्रामीणों ने इस गंभीर समस्या की सूचना भाजपा जिला मंत्री, एवं जनपद सदस्य श्रीमती दुर्गावती पटेल को दी। सूचना मिलते ही श्रीमती दुर्गावती पटेल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अनुविभागीय अधिकारी एवं जिला प्रशासन को अवगत कराया। इसके पश्चात श्रीमती दुर्गावती पटेल तहसीलदार राजस्व विभाग, पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ दमकी टोला पहुंचीं। मौके पर पहुंचकर उन्होंने बंद की गई पानी निकासी की नाली का निरीक्षण किया और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में नाली को खुलवाया। नाली खुलने के बाद ग्रामीणों के घरों में भरे पानी की निकासी शुरू हुई, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिली। इस दौरान श्रीमती पटेल ने संबंधित पंचायत सचिव को भी मौके पर बुलाकर निर्देश दिए कि वर्षा समाप्त होते ही उक्त स्थान पर व्यवस्थित एवं स्थायी नाली का निर्माण कराया जाए, ताकि भविष्य में ग्रामीणों को जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने नाली बंद करने के मामले में संबंधित व्यक्ति को भी मौके पर बुलाकर स्पष्ट चेतावनी दी कि भविष्य में किसी भी प्रकार से पानी के प्राकृतिक बहाव को रोकने अथवा नाली बंद करने का प्रयास किया गया तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई कराई जाएगी। जनपद सदस्य श्रीमती दुर्गावती पटेल की त्वरित पहल और प्रशासनिक कार्रवाई से दमकी टोला के ग्रामीणों को जलभराव की गंभीर समस्या से राहत मिली है।

निर्जला व्रत रखकर महिलाओं ने संतान की दीर्घायु के लिए की कामना

सुख, समृद्धि, यश, पारिवारिक सुख सहित मांगी अन्य मनोकामनाएं

कोतमा। कोयलांचल व ग्रामीण अंचलों में बुधवार को हरछठ पर्व और भगवान श्री कृष्ण के बड़े भ्राता भगवान बलराम की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। हरछठ पर्व और बलराम जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए, जो देर शाम तक चले। कोतमा में भाद्रपद मास बुधवार को संतान सुख के लिए महिलाओं ने हलषष्ठी हरछठ का व्रत पूरे विधि विधान के साथ किया। पर्व विशेष पर सुहागन महिलाओं ने अपनी संतान की दीर्घायु के लिए निर्जला व्रत धारण किया। वहीं विशेष पूजा अर्चना के साथ परिवार की सुख, समृद्धि, यश, कीर्ति, पारिवारिक सुख सहित अन्य मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मन्मत की। भगवान बलराम जी की जयंती पर खासतौर पर ग्रामीण अंचलों में विशेष पूजा अर्चना के साथ विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन



किए गए। पर्व को लेकर सोमवार व मंगलवार को भी बाजार गुलजार नजर आए। बड़ी संख्या में महिलाएं पूजन सामग्री खरीददारी करते नजर आईं। पूजन उपरांत उन्हें बांस से बनी टोकरी में लाई, महुआ, चने और पूजन में चढ़े फलों का प्रसाद वितरित किया। बाजार में पूजन सामग्री के अलावा पूजन में चढ़ने वाले फल और बांस से बनी छोटी टोकनियों की खूब खरीददारी की गई। धार्मिक मान्यता के अनुसार हरछठ पर्व के दिन

महिलाएं अपने संतान की दीर्घायु और उसके स्वस्थ जीवन की कामना के लिए व्रत रखकर पूजन आदि करती हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से भगवान हलधर यानी कि बलराम जी उनके पुत्रों को लंबी आयु प्रदान करते हैं। वहीं संतान उत्पत्ति की भी कामना पूरी करते हैं। इसी के अनुसार महिलाओं ने दिनभर निर्जला व्रत रखकर बिना जोते बोये हुए पसिही चावल महुआ सहित अन्य चीजों से व्रत का पारण किया।

बेहोश महिला को नहीं मिला बेटे जमीन पर लिटाने की नौबत



सिविल सर्जन के जवाब से उठे सवाल

अनूपपुर। जिला चिकित्सालय अनूपपुर में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। उपचार के लिए पहुंची एक महिला के बेहोशी की हालत में होने के बावजूद अस्पताल में बेड उपलब्ध नहीं होने का मामला सामने आया है। परिजनों के अनुसार, मरीज को जमीन पर लेटाने की नौबत आई और आवश्यक सुविधाओं के लिए उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ी। बताया गया कि महिला की हालत गंभीर होने पर परिजन अस्पताल के स्टाफ एवं जिम्मेदार अधिकारियों से सहायता की गुहार लगाते रहे। इस

दौरान कथित तौर पर उन्हें “हम क्या करें” जैसे जवाब मिलने की बात सामने आई है। मामले को लेकर जब अस्पताल के सिविल सर्जन से व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो उनके द्वारा कथित रूप से कहा गया कि “हम क्या करें, मरीज ज्यादा आते हैं।” सिविल सर्जन के इस कथित जवाब ने जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाओं और मरीजों के प्रति अस्पताल प्रबंधन की जवाबदेही पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिला चिकित्सालय में यदि मरीजों की संख्या अधिक है तो उनके लिए पर्याप्त बेड, आपातकालीन व्यवस्था और वैकल्पिक उपचार व्यवस्था सुनिश्चित करना अस्पताल प्रबंधन की जिम्मेदारी है। विशेषकर बेहोशी या गंभीर अवस्था में पहुंचने

वाले मरीज को जमीन पर लेटने की स्थिति क्यों उत्पन्न हुई, यह जांच का विषय है। मरीजों एवं उनके परिजनों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाओं की तत्काल समीक्षा करने की मांग की है। साथ ही बेड की उपलब्धता, मरीजों की भर्ती व्यवस्था तथा अस्पताल स्टाफ की कार्यप्रणाली की जांच कर आवश्यक सुधार किए जाने की मांग उठाई गई है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब अस्पताल में मरीज ज्यादा आते हैं, तो उनकी समुचित व्यवस्था कौन करेगा? क्या मरीजों की अधिक संख्या अस्पताल प्रबंधन की जिम्मेदारी से बचने का कारण बन सकती है? इन सवालों का जवाब जिला अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग को देना होगा।



जमुना-कोतमा ओपन कास्ट विस्तार को लेकर पर्यावरण जनसुनवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न एसईसीएल प्रबंधन ने दिया समाधान का भरोसा

4 से बढकर 6 मिलियन टन वार्षिक कोयला उत्पादन क्षमता विस्तार को लेकर हुई सुनवाई बदरा/जमुना। जमुना-कोतमा क्षेत्र एसईसीएल की खुली खदान विस्तार परियोजना के संबंध में पर्यावरण स्वीकृति को लेकर बुधवार को ग्राम निमहा, तहसील कोतमा में पर्यावरण लोक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई शांतिपूर्ण एवं सहर्ष वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिला-पुरुष, जनप्रतिनिधि एवं मीडिया कर्मी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने खदान विस्तार से जुड़े पर्यावरण, प्रदूषण, सड़क, स्वास्थ्य, रोजगार, पानी, शिक्षा, ब्लास्टिंग एवं सीएसआर सहित विभिन्न

मुद्दों पर अपनी बात प्रमुखता से रखी। परियोजना के तहत कोयला उत्पादन क्षमता को वर्तमान 4 मिलियन टन प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 6 मिलियन टन प्रतिवर्ष किए जाने के संबंध में पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त करने के उद्देश्य से यह जनसुनवाई आयोजित की गई थी जनसुनवाई में एडीएम/डिप्टी कलेक्टर अनूपपुर बलवीर रमन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड शहडोल के रीजनल ऑफिसर डॉ. अशोक तिवारी सहित एसईसीएल प्रबंधन की ओर से महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी, सीएसआर से जुड़े अधिकारी डॉ. सतीश एवं पर्यावरण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने खुलकर रखी अपनी बात

जनसुनवाई के दौरान निमहा की सरपंच जामुनी बाई, समाजसेवी अशोक त्रिपाठी कोतमा, अधिवक्ता अनिल शर्मा, रामवतन चंद्र मझौली, अमित त्रिपाठी उपसरपंच खोडरी नंबर-2, राकेश सिंह, राजेश सिंह, ज्योति, समयलाल, भारत राय सहित अनेक ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं और सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखे। ग्रामीणों ने भारी वाहनों से सड़कों की



खराब स्थिति, धूल एवं प्रदूषण, ब्लास्टिंग से मकानों में दरार, स्थानीय युवाओं को रोजगार, पेयजल व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं, तालाब निर्माण, वृक्षारोपण, स्कूल-आंगनवाड़ी, स्ट्रीट लाइट एवं प्रभावित गांवों की मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दे उठाए।

रेल लाइन से कोयला परिवहन पर जोर

ग्रामीणों की ओर से भारी वाहनों के आवागमन से सड़क खराब होने का मुद्दा उठाए जाने पर एसईसीएल महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी ने बताया कि भारी वाहनों के दबाव को कम करने के लिए रेल लाइन के माध्यम से कोयला परिवहन की व्यवस्था पर काम किया जा रहा है इसके लिए टेंडर पहले ही किया जा चुका है तथा कार्य पूर्ण करने की निर्धारित समय-सीमा वर्ष 2028 बताई गई। उन्होंने कहा कि सड़क, ब्लास्टिंग, रोजगार और अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों पर प्रबंधन गंभीरता से कार्य कर रहा है।

25 लोगों के रोजगार प्रस्ताव को बोर्ड की मंजूरी

जमीन के बदले रोजगार के सवाल पर महाप्रबंधक ने बताया कि इस दिशा में प्रबंधन

आगे बढ़ रहा है उन्होंने जानकारी दी कि एस ई सीएल बोर्ड द्वारा दो दिन पूर्व ही 25 लोगों के रोजगार को स्वीकृति प्रदान की गई है। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर उन्होंने कहा कि स्कूल के समय भारी वाहनों के आवागमन को रोकने की व्यवस्था की जाएगी, ताकि बच्चों को किसी प्रकार का खतरा न हो।

विकास केवल कोयला उत्पादन तक सीमित नहीं-प्रभाकर राम त्रिपाठी

मझौली के रामवतन चंद्र के सवाल के जवाब में महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी ने कहा कि क्षेत्र का विकास प्रबंधन की पहली प्राथमिकता है, केवल कोयला उत्पादन करना नहीं। उन्होंने क्षेत्रवासियों द्वारा खदान संचालन में लगातार दिए जा रहे सहयोग के लिए भी आभार व्यक्त किया। वृक्षों की कटाई और पर्यावरण संरक्षण के सवाल पर उन्होंने कहा कि खनन के दौरान पेड़ काटे गए हैं, लेकिन इसके साथ बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण भी किया गया है उन्होंने कहा कि लगाए गए लाखों पौधों का रिकॉर्ड पुस्तकों में दर्ज होने के साथ-साथ स्थल पर जाकर उनका निरीक्षण भी किया जा सकता है।



नगर परिषद बुढ़ारः 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए स्थाई कर्मी रामाधार सोधिया, सीएमओ ने दी भावमीनी विदाई

बुढ़ार। नगर परिषद कार्यालय बुढ़ार में पदस्थ स्थाई कर्मी रामाधार सोधिया 31 अगस्त 2026 को अपनी अधिवर्षिकी आयु पूर्ण कर शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो गए हैं। इस अवसर पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) सौरभ श्रीवास्तव ने उन्हें माल्यार्पण कर सम्मानपूर्वक विदाई दी।शासकीय अभिलेख के अनुसार रामाधार सोधिया का जन्म 4 अगस्त 1964 को हुआ था। उन्होंने 15 जून 1987 को नगर परिषद बुढ़ार में अपनी सेवा शुरू की थी। शासन के नियमानुसार 62 वर्ष की आयु और अपनी लंबी सेवा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त उन्हें 31 अगस्त 2026 (अपराह्न) से शासकीय सेवा से मुक्त किया गया।नगर परिषद बुढ़ार प्रशासन ने उनकी दशकों लंबी निष्ठावान सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया है। विदाई समारोह के दौरान परिषद परिचार ने उनके सुखद, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु भविष्य की कामना की। विदाई कार्यक्रम में उपखत्री चंद्र प्रकाश पांडेय, राधिका तिवारी,संजय द्विवेदी, सुश्री रागिनी वूटहेल,अनुज गुप्ता, मंगीज वर्मा, आदि उपस्थित रहे।

सागरेश्वर नाथ मंदिर में धूमधाम से मनाई जाएगी कृष्ण जन्माष्टमी

उमरिया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पर्व जन्माष्टमी जिले में हर्षोल्लास एवं भवित भाव के साथ मनाया जाएगा। स्थानीय प्राचीन एवं सिद्ध सागरेश्वर नाथ मंदिर (सगरा मंदिर) परिसर स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में भव्य कृष्ण जन्माष्टमी समारोह 4 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। मध्यप्रदेश शासन के श्री कृष्ण पाथेय न्यास (संस्कृति विभाग) के तत्वाधान में प्रदेशभर में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत किया जा रहा है। कार्यक्रम के लिए क्षेत्रीय सहयोगी संस्था के तौर पर उमरिया की प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध संदेश नाट्य मंच समिति (रंगमंडल) तथा संस्था के निदेशक पंकज दुबे को नियुक्त किया गया है। सगरा मंदिर में जन्माष्टमी कार्यक्रम रात्रि 8 बजे से रात्रि 12 बजे तक आयोजित होगा। इस दौरान भजन-कीर्तन, नौगडलों द्वारा राधा-कृष्ण की मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां तथा प्रसाद वितरण सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। आयोजकों ने नगर के प्रतिष्ठित नागरिकों, वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों से भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव में सहभागिता की अपील की है।

कागजों पर चतुर्वेदी जी का राज, मौके पर गुप्ता जी का काज



कठार में खनिज नियमों का जनाजा निकाल रहा केशर!

मानपुर। जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत कठार में इन दिनों कानून की किताबों को ताक पर रखकर अंधेर नगरी, चौपट राजा का खेल धड़ल्ले से खेला जा रहा है। कागजों में खदान किसी और के नाम और मौके पर हुकूमत किसी दूसरे की! शासकीय अभिलेखों की मानें तो पत्थर खदान और केशर की प्रशासनिक स्वीकृति देवेन्द्र चतुर्वेदी जी के नाम दर्ज है, लेकिन मौके पर जग गिट्टी कूटने और राजस्व बटोरने की बात आती है, तो कमान अतुल गुप्ता और उनकी देखरेख करने वाली प्लटन के हाथों में नजर आती है। सवाल सीधा और चुभने वाला है कि क्या अब खनिज विभाग के पट्टे भी किराए की दुकान बन चुके हैं, जिन्हें कागजों में किसी और के नाम सजाकर मौके पर किसी और को सब-लीज पर थमा दिया जाए?

पट्टा देवेन्द्र का, पावर अतुल की

खनिज पट्टा कोई निजी जागीर नहीं है जिसे जब चाहा, जिसे चाहा सौंप दिया। नियमानुसार बिना सक्षम विभागीय अनुमति के खदान या केशर का संचालन/हस्तांतरण पूरी तरह गैर-कानूनी है। कठार में चल रहा यह ऑफ-रिकार्ड खेल केवल कागजी हेरफेर नहीं, बल्कि सरकारी राजस्व, खनन नियमों और प्रशासनिक साख पर कराया तमाचा है। मजे की बात तो यह है कि केशर मालिक देवेन्द्र चतुर्वेदी कागजी कोरम पूरा करने में मस्त हैं, तो दूसरी तरफ अनिल गुप्ता खुलेआम कहते हैं कि केशर की देखरेख वही करते हैं। यानी विभाग ने भले ही रिकॉर्ड में चतुर्वेदी जी का नाम चमका रखा हो, लेकिन ऑफ-रिकार्ड असली मालिकी अतुल गुप्ता भुना रहे हैं। अब सवाल यह उठता है कि क्या खनिज विभाग के आला अधिकारियों को इस अदृश्य मालिक की भनक नहीं है या फिर साहबानों की आंखों

पर सुविधा शुल्क की पट्टी बंधी हुई है?

कहां गायब हो गए 2021 से लगे कागजी जंगल

पर्यावरण संरक्षण के नाम पर जो लंतरानी हांकी जा रही है, वह तो और भी हास्यास्पद है। केशर मालिक देवेन्द्र चतुर्वेदी का दावा है कि हर साल नियम से पौधे लगाए जाते हैं। अब गणित समझिए—2021 में इस खदान और केशर को अनुमति मिली थी। यदि 2021 से लेकर अब तक हर साल ईमानदारी से पौधा रोपण हुआ होता, तो आज कठार में केशर के चारों तरफ घना अमेजन का जंगल खड़ा होना चाहिए था, लेकिन हकीकत में सिर्फ धूल का गुबार और बंजर गड्डे हैं। आखिर वे पौधे कहां गायब हो गए? क्या



उन्हें केशर की गिट्टियों के साथ पीस दिया गया या फिर वे सिर्फ फाड़लों में उगाकर कागजों में ही सींचे गए? प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साहबान अपने वातानुकूलित दफ्तरों में बैठकर हरियाली की रिपोर्ट पर दस्तखत पेल रहे हैं, जबकि मौके पर ग्रामीणों के फेफड़ों में बारूद और पत्थर की धूल जम रही है। खेतों में फसल की जगह धूल की मोटी परतें बिछी हैं।

हादसों के इंतजार में बैठा प्रशासन

कठार का यह खनन क्षेत्र अब सुरक्षा के लिहाज से मौत का खुला मैदान बन चुका है। स्वीकृत सीमा से बाहर जाकर कितनी गहरी

खुदाई की गई है, इसका कोई हि सा ब - किताब नहीं है। सुरक्षा घेराबंदी और चेतावनी बोर्ड सिर्फ किताबों में दर्ज हैं। गहरे गड्डे और वि शा ल खाइयों मासूम मवेशियों और राहगीरों के लिए हर पल मौत का फंदा बनी हुई हैं। क्या जिला प्रशासन और खनिज विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं ताकि बलि चढ़ने के बाद मुआवजे का मरहम लगाया जा सके? स्वीकृत गहराई और क्षेत्रफल की आखिरी बार नापजोख कब हुई थी, इसका जवाब देने से जिम्मेदार कतरा रहे हैं।

पंचायत की एनओसी है या सिर्फ हवा-हवाई बातें

स्थानीय स्तर पर केशर संचालन के लिए ग्राम पंचायत की वैध अनुमति और अन्य

वैधानिक स्वीकृतियों को लेकर भी बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि केशर बिना किसी ठोस और पारदर्शी अनुमति के चल रहा है। नियम-कानून की दुहाई देने वाला प्रशासन बड़े कारोबारियों के आगे नतमस्तक नजर आता है। आम गरीब अगर अपने खेत की मेढ़ पर दो ट्राली मिट्टी भी खोद ले तो उस पर खनिज चोरी का मामला दर्ज हो जाता है, लेकिन यहां नियमों की पूरी किताब ही फाड़कर हवा में उड़ा दी गई है।

फाइलें नहीं, मौके की ऑडिट करे संयुक्त टीम!

अब क्षेत्र की जनता का सन्न टूट चुका है। कठार के निवासियों की सीधी मांग है कि जिला कलेक्टर तत्काल संज्ञान लें और खनिज विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं राजस्व अधिकारियों की एक संयुक्त जांच टीम को मौके पर भेजें। जांच सिर्फ कागजों की न हो, बल्कि मौके पर जाकर इन सवालों के जवाब तलाशे जाएं, पट्टा किसी और का तो मौके पर अतुल गुप्ता किस हैसियत से हुकूमत चला रहे हैं? 2021 से अब तक लगाए गए कागजी पौधों का वजूद जमीन पर क्यों नहीं दिख रहा? स्वीकृत सीमा से अधिक अवैध खनन कर शासन के राजस्व को कितना चूना लगाया गया? प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और खनिज विभाग के कौन-कौन से अधिकारी इस धांधली में साझेदार हैं? यदि प्रशासन में जरा भी निष्पक्षता बची है, तो कठार खदान पर तत्काल सील ठोक कर इस फर्जीवाड़े की निष्पक्ष जांच कराई जाए, वरना साफ समझा जाएगा कि नियमों की बलि देकर चलने वाले इस कारो बारीबार में ऊपर से लेकर नीचे तक सबकी जेबें गर्म हो रही हैं।



शहडोल-अनूपपुर सीमा पर भारी बारिश से नदियां-नाले उफान पर , केशवाही पुलिस टीम का राहत कार्य जारी



बुढ़ार। शहडोल और अनूपपुर जिले की सीमा से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में बीते कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। क्षेत्र की प्रमुख नदियों, नालों और रपटों (कॉजवे) के जलमग्न होने से कई गांवों का आपस में संपर्क पूरी तरह टूट गया है। सड़कों पर जलस्तर बढ़ने के कारण आवाजाही पूरी तरह रोक दी गई है।

प्रभावित क्षेत्र और वर्तमान स्थिति

केशवाही पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले आधा दर्जन से अधिक गांव बाढ़ जैसे हालात का सामना कर रहे हैं:

प्रभावित गांव: रुपौला, कोंटा, हथगला, चन्नौडी, बलबहरा, किशौरी, कुम्हारी और केशवाही से अनूपपुर, कोतमा जाने वाले मार्ग पर पैनी निगाह रखे हैं। सड़क संपर्क बाधित: रपटों और पुलियों के ऊपर से पानी का तेज बहाव होने के कारण मुख्य मार्गों पर गाड़ियों का आवागमन बंद है, जिससे ग्रामीणों के सामने आवाजाही का संकट खड़ा हो गया है। अफरा-तफरी का माहौल: गांवों में चारों तरफ पानी भर जाने और सड़कों के जलमग्न होने से ग्रामीणों में चिंता और अफरा-तफरी का माहौल है।

पुलिस की मुस्तेदी और रेस्क्यू ऑपरेशन

प्रशासनिक स्तर पर खतरे को देखते हुए सतर्कता बढ़ा दी

गई है, केशवाही चौकी प्रभारी गंगा सिंह मार्कों अपनी टीम के साथ लगातार बाढ़ प्रभावित इलाकों में पैट्रोलिंग कर रहे हैं। उफान वाले रपटों और पुलों पर लोगों को जाने से रोका जा रहा है और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए पुलिस टीम लगातार मुस्तेद है। त्वरित पुलिस कार्रवाई और लगातार रेस्क्यू के चलते अब तक क्षेत्र में किसी भी अप्रिय दुर्घटना की सूचना नहीं है। प्रशासन की अपील: स्थानीय नागरिकों से अपील की गई है कि वे उफान मारती नदियों और रपटों को पार करने का जोखिम न उठाएं और पुलिस व प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।



पूर्व के स्वरूप में लौट रहा खटखारिया तालाब



तालाब में जो जलकुंभी फैली हुई है उसको पूरा निकलवाना जरूरी तभी तालाब अच्छा दिखेगा पिचिंग एवं जलकुंभी को साफ करवाये जाने की मांग की है ।

बांधवाधीश मंदिर में दर्शन के लिए विशेष व्यवस्था

उमरिया। कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर 4 सितंबर को बांधवगढ़ टाइनगर रिजर्व की पहाड़ी पर स्थित ऐतिहासिक श्री बांधवाधीश मंदिर में श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। सुविधा, सुरक्षा एवं वन्यजीव संरक्षण को ध्यान में रखते हुए बांधवगढ़ टाइनगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।मंदिर दर्शन के लिए ऑनलाइन पंजीयन अनिवार्य किया गया है। हिला ऑनलाइन पंजीयन के किसी भी श्रद्धालु को टाइनगर रिजर्व गेट से प्रवेश नहीं दिया जाएगा। श्रद्धालु व्यक्तिगत अथवा समूह में पंजीयन करा सकते हैं। समूह पंजीयन में ग्रुप लीडर सहित सभी सदस्यों की जानकारी दर्ज करना अनिवार्य होगा। एक ग्रुप लीडर अधिकतम 15 लोगों का पंजीयन करा सकेगा। टाइनगर रिजर्व गेट से प्रवेश का समय प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक निर्धारित है। सुरक्षा कारणों से 65 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों तथा 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का प्रवेश सामान्यतः प्रतिबंधित रहेगा। संरक्षित वन क्षेत्र होने के कारण प्लास्टिक, पॉलिथिन, सिगार खूज पानी की बोतल, गुटखा एवं चिप्स के पैकेट आदि ले जाना पूर्णतः प्रतिबंधित है। वन्यजीवों की शांति बनाए रखने के लिए ऐजाज में संगीत बजाने और किसी भी प्रकार का ध्वनि प्रदूषण करने पर भी रोक रहेगी। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित नियमों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण दर्शन करें तथा वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण में बांधवगढ़ टाइनगर रिजर्व प्रबंधन का सहयोग करें।

नगर परिषद द्वारा कराया गया तालाब का सौंदर्यीकरण

ब्यौहारी। नगर परिषद के अंतर्गत चुंगी नाका के पास स्थित खटखारिया तालाब नगर परिषद के सौंदर्यीकरण के बाद अपने पूर्व की स्थिति में लौट रहा है भारी बारिश के बाद तालाब लगभग भर गया है अब थोड़ा सा ही बाकी है नगर परिषद द्वारा तालाब के मेढ की पिचिंग कराई गई है तालाब की गहरी खुदाई भी कराई गई है नगर परिषद के अध्यक्ष श्री कृष्ण गुप्ता राजन एवं शिवांगी पांडे मुख्य नगर पालिका अधिकारी के द्वारा लगातार देख-रेख तेजी से कार्य कराया गया है तालाब तो भर रहा है लेकिन अभी भी आधे नगर वासियों की मांग है की तालाब की अधूरी

मानपुर में अंतिम संस्कार की लकड़ी और बंदरों की समस्या पर उठे सवाल

जनसुनवाई में रवि सेन ने निस्तार डिपो एवं बंदरों को पकड़ने की कार्रवाई की मांग की

मानपुर। नगर परिषद मानपुर क्षेत्र में दाह संस्कार के लिए लकड़ी की उपलब्धता तथा बंदरों की बढ़ती समस्या को लेकर पत्रकार एवं समाजसेवी रवि सेन ने जिला कलेक्टर की जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। रवि सेन ने अपने आवेदन में बताया कि मानपुर चारों ओर से वन क्षेत्र से घिरा हुआ है तथा वन क्षेत्र से आम नागरिकों द्वारा लकड़ी लाना प्रतिबंधित है। ऐसी स्थिति में किसी परिवार में गमी होने पर दाह संस्कार के लिए लकड़ी की व्यवस्था करना कठिन हो जाता है। उन्होंने बताया कि मानपुर में निस्तार डिपो खोले जाने के संबंध में पूर्व में नगर परिषद मानपुर तथा उपसंचालक, बांधवगढ़ टाइनगर रिजर्व को भी आवेदन देकर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया जा चुका है। रवि सेन के अनुसार, इसके बावजूद निस्तार डिपो की व्यवस्था नहीं हो सकी है। उन्होंने कलेक्टर से अनुरोध किया कि सक्षम विभागों से समन्वय कर नियमानुसार मानपुर में निस्तार डिपो की व्यवस्था तथा दाह संस्कार के लिए लकड़ी की पर्याप्त एवं स्थायी उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए। इसी क्रम में रवि सेन ने नगर में बंदरों की समस्या को लेकर भी आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि नगर परिषद मानपुर की



बैठक में प्रस्ताव क्रमांक 35 एवं संकल्प क्रमांक 220 के माध्यम से बंदरों को पकड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़े जाने संबंधी प्रस्ताव पारित किए जाने की जानकारी पूर्व में सामने आई थी। इसके बावजूद समस्या का अपेक्षित समाधान नहीं हो पाने के कारण उन्होंने प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है। रवि सेन ने मांग की कि संबंधित विभाग एवं नगर परिषद नियमानुसार बंदरों को पकड़ने तथा उन्हें सुरक्षित स्थान पर छोड़े जाने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करें, ताकि नगरवासियों को राहत मिल सके और किसी प्रकार की अप्रिय घटना की संभावना को कम किया जा सके।

चुनावी वारों को लेकर भी उठाया सवाल

रवि सेन ने कहा कि चुनाव के दौरान स्थानीय स्तर पर बंदरों की समस्या के समाधान को लेकर जनप्रतिनिधियों द्वारा आवेदासन दिए जाने की बात नगरवासियों के बीच कही जाती रही है। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव के दौरान जनता स्वामित्विक रूप से पूर्व में किए गए आवेदासनों और उनके क्रियानुसार आवश्यक के संबंध में सवाल पूछ सकती है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति अथवा संस्था पर व्यक्तिगत आरोप लगाना नहीं, बल्कि जनहित से जुड़े मुद्दों को संबंधित प्रशासन के समक्ष रखना और उनका नियमानुसार स्थायी समाधान कराना है। रवि सेन ने जिला प्रशासन से दोनों मामलों में तथ्यों की जांच कर संबंधित विभागों से आवश्यक कार्रवाई कराने तथा नगरवासियों को राहत प्रदान करने का अनुरोध किया है।

मुख्यमंत्री ने जन विश्वास पोर्टल का किया शुभारंभ



उमरिया। मुख्यमंत्री डॉ. महेंद्र यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर्स और कलेक्टरों को मुख्यमंत्री सेवा संकल्प अभियान के संबंध में निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान प्रदेश में राज्य से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन से अभियान शुरू होगा। सभी कलेक्टर अभियान के निर्धारित बिन्दुओं पर तिथिवार आयोजन का कार्यक्रम तैयार कर लें। इन कार्यक्रमों में गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, स्वसहायता समूह, धार्मिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा सभी वर्गों की एवं आमजनों की भागीदारी भी सुनिश्चित करें। अभियान के लिए निर्धारित कार्यक्रमों के लिए अलग-अलग नोडल अधिकारी बना दें। कमिश्नर अभियान की मानीटरिंग करेंगे। अभियान के दौरान प्रमुख नदियों के घाटों की साफ-सफाई और दीप जलाने के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बैठक में जन विश्वास पोर्टल का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के दौरान ही कई प्रमुख त्योहार और जन विश्वास अभियान के चार शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। समन्वय बनाकर इनका आयोजन कराएं। प्रत्येक जिले की उपलब्धियों, महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों तथा प्रमुख परियोजनाओं से आम जन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन को अभियान के दौरान सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों पर प्रचार-प्रसार कराएं। विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितवाहियों से संवाद करके उनके फोटो और वीडियो बाहट पोस्ट कराएं। पूरे प्रदेश में इसका डिजिटल डेटा संकलित कराएं। अभियान के दौरान विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितवाहियों द्वारा अपने घरों में आशीर्वाद का दीपक जलाया जाएगा। इसके साथ-साथ प्रमुख सार्वजनिक स्थल, नदी के घाट तथा विकास के प्रतीकों पर भी दिवे जलाए जाएंगे। अभियान के दौरान विकसित भारत का सपना पूरा करने के लिए विद्यार्थियों के बीच भाषण और पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इनमें श्रेष्ठ पेंटिंग्स की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। संस्कृति विभाग नुकड़ नाटक के माध्यम से प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को कहानी सरल भाषा में प्रस्तुत करेगा। गांधी जयंती पर सभी जिला मुख्यालयों में नुकड़ नाटक तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में बताया गया कि प्रत्येक आंगनवाड़ी केन्द्र में 25 सितम्बर से 7 अक्टूबर तक आंगन का उत्सव मनाया जाएगा। इसमें बच्चों तथा महिलाओं से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों में आंगनवाड़ी तथा आशा कार्यकर्ताओं का सम्मान एवं महिलाओं से संवाद का भी आयोजन होगा। अभियान के दौरान जनसम्पर्क विभाग सोशल, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में विकास योजनाओं से लाभान्वित हितवाहियों के जीवन में बदलाव की कहानी प्रस्तुत करेगा। बड़े विकास कार्यों जैसे बांध और नहर, हाईवे, अस्पताल, औद्योगिक संस्थान, एयरपोर्ट आदि के निर्माण से जनजीवन में हुए सकारात्मक परिवर्तन को भी मीडिया में विभिन्न माध्यमों से दिया जाएगा। अभियान के दौरान निर्धारित रूट पर सेवा ज्योति यात्रा निकाली जाएगी। इसके लिए ग्रामीण विकास विभाग आवश्यक प्रबंध करेगा। विशाल रंगोली, मानव रंगोली तथा अन्य माध्यमों से विकास की गाथा कही जाएगी। अभियान के दौरान 17 अक्टूबर को पंचायत से संवाद के जनसेवकों का महाकुंभ दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। अभियान से जुड़े विस्तृत निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उनके अनुरूप समस्त तैयारियों करें। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में उमरिया एन.आई.सी. में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, सीईओ जिला पंचायत अमय सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष बने प्रेमचंद यादव, शिवरतन वर्मा जिला महामंत्री नियुक्त



अनूपपुर। भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन एवं भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने अनूपपुर जिले में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नवीन पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इसके तहत प्रेमचंद यादव को भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, वहीं भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष शिवरतन वर्मा को जिला महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों पदाधिकारियों की नियुक्ति के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में उत्साह का माहौल है। नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन के विस्तार एवं पिछड़ा वर्ग के हितों को लेकर पार्टी की नीतियों की जन-जन तक पहुंचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। भारतीय जनता पार्टी जिला अनूपपुर के जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम एवं जिला पदाधिकारियों ने प्रेमचंद यादव एवं शिवरतन वर्मा को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों पदाधिकारी अपने अनुभव और संगठनात्मक क्षमता के माध्यम से पार्टी को और अधिक मजबूत एवं सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

भाजपा के वरिष्ठ नेता अनिल गुप्ता की माताजी का निधन, जैतहरी में आज होगा अंतिम संस्कार

अनूपपुर। भारतीय जनता पार्टी के शहडोल संगम के वरिष्ठ नेता अनिल गुप्ता की पूज्य माताजी एवं नगर परिषद जैतहरी के अध्यक्ष उमंग गुप्ता की दादी श्रीमती श्यामा बाई गुप्ता का कल 2 सितंबर को दुखद निधन हो गया। उनके निधन की खबर से गुप्ता परिवार सहित शुभचिंतकों और भाजपा कार्यकर्ताओं में शोक की लहर है। शोककुल परिवर्तों के प्रति लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। इधर से प्रार्थना के कि पुष्पात्मा को अपने श्रौचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त गुप्ता परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति दें। अंतिम संस्कार आज 3 सितंबर, गुरुवार को सुबह 11 बजे जैतहरी में किया जाएगा।

पंप ऑपरेटरों से जबरन हस्ताक्षर, सुरक्षा सामग्री, बकाया वेतन और धमकी के आरोपों पर 3 दिन में मांगी जांच रिपोर्ट

किरगी जल प्रदाय योजना में जांच के आदेश

अनूपपुर। किरगी जल प्रदाय योजना में आदिवासी पंप ऑपरेटरों और ठेकेदार के बीच विवाद को लेकर प्रकाशित खबर के बाद अब प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है। जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर स्थल निरीक्षण एवं विस्तृत जांच करने के आदेश दिए हैं। आदेश में पंप ऑपरेटरों को हटाने-बदलने की धमकी, जबरन हस्ताक्षर कराने, सुरक्षा सामग्री उपलब्ध नहीं कराने, भुगतान संबंधी समस्या और नौकरी से निकालने की धमकी सहित लगाए गए आरोपों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। खास बात यह है कि प्रत्येक आरोप पर स्पष्ट निष्कर्ष दर्ज कर 3 दिवस के भीतर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा गया है।

खबर के बाद हरकत में आया प्रशासन

किरगी जल प्रदाय योजना में पंप ऑपरेटरों द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों को लेकर प्रकाशित खबर के बाद जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जांच के लिए दो अधिकारियों की इ्यूटी लगाई है। आदेश में पंचायत समन्वय अधिकारी भागवत प्रसाद धुवें तथा उपयंत्री अजय तांडिया को संबंधित ग्राम पंचायत किरगी जल प्रदाय योजना के स्थल निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को योजना से संबंधित उपलब्ध अभिलेखों का परीक्षण करते हुए आरोपों की वास्तविक स्थिति सामने

महाविद्यालय की बढहाली पर फूटा छात्रों का आक्रोश, सात सूत्रीय मांगों का ज्ञापन

पुरानी बिल्डिंग को कन्या महाविद्यालय बनाने से लेकर छात्रावासों में सीटें दोगुनी करने की मांग पीजी कक्षाएं शुरू करने और किराया आधा करने की भी उठी आवाज

अनूपपुर। शासकीय महाविद्यालय पुष्पराजगढ़ में व्याप्त विभिन्न समस्याओं को लेकर बुधवार को आदिवासी छात्र संगठन के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने मोर्चा खोल दिया। विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा मंत्री, मध्यप्रदेश शासन के नाम एसडीएस पुष्पराजगढ़ को सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपते हुए महाविद्यालय और छात्रावासों की व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार की मांग की। छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा। छात्र संगठन ने ज्ञापन में कहा कि



बारिश बनी आफत, उफनी नदियों ने थामी जिंदगी की रफ्तार

छटन नदी और देवगवां-धुम्मा पुलिया पर खतरे के ऊपर बहा पानी

बारिश बनी आफत, उफनी नदियों ने थामी जिंदगी की रफ्तारछटन नदी और देवगवां-धुम्मा पुलिया पर खतरे के ऊपर बहा पानी कोतमा में सड़कें जलमग्न, बैरिहा गांव में जलभराव से ग्रामीण बेहाल

अनूपपुर। सितंबर की शुरुआत में ही जिले में बारिश ने रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। मंगलवार से शुरू हुआ झमाझम बारिश का दौर बुधवार को भी दिनभर जारी रहा। लगातार बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं, पुल-पुलियों के ऊपर पानी बह रहा है और कई ग्रामीण मार्गों पर आवागमन प्रभावित हुआ है। कोतमा नगर की सड़कें जलमग्न हो गईं तो देवगवां-धुम्मा मार्ग पर पुलिया करीब पांच घंटे पानी में डूबी रही। छटन नदी के पुल के ऊपर तेज बहाव के कारण प्रशासन को आवागमन बंद कराना पड़ा। दूसरी ओर रामपुर बटूरा मेगा प्रोजेक्ट से प्रभावित ग्राम बैरिहा में जलभराव ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

छटन नदी का रौद्र रूप, पुल पर चढ़ा पानी

धनगवां पश्चिम और बम्हनी के बीच स्थित छटन नदी का जलस्तर लगातार बारिश के बाद तेजी से बढ़ गया। नदी का पानी पुल के ऊपर से तेज बहाव के साथ गुजरने लगा। खतरे को देखते हुए तहसीलदार कौशलेंद्र मिश्रा और फुनगा चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे तथा आवागमन बंद कराया। प्रशासन ने लोगों को चेताया कि तेज बहाव के दौरान नदी या पुल पार करने का प्रयास न करें। फुनगा से शिल्पा, बम्हनी, सेमरिया चौराहा, केशवाही और कोतमा की ओर जाने वाले कई संपर्क मार्ग भी बारिश से प्रभावित हुए हैं। कच्चे रास्तों और छोटी पुल-पुलियों पर पानी भरने से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है।

देवगवां-धुम्मा में पांच घंटे थमा आवागमन

कोतमा-केशवाही मार्ग पर देवगवां-धुम्मा की पुलिया के ऊपर बुधवार को तेज बहाव के साथ पानी भर गया। पानी इतना बढ़ गया कि पुलिया दिखाई तक नहीं दे रही थी। सुरक्षा के लिए ग्राम पंचायत ने दोनों ओर बैरीकेड लगाकर आवागमन रोक दिया। इस दौरान वाहन और सवारी बसों के साथ ग्रीनलैंड स्कूल की बस में बच्चे भी फंसे रहे। बच्चों के लिए सचिव शैलेन्द्र शुक्ला और समाजसेवी वीरेंद्र शुक्ला ने भोजन की व्यवस्था की।



बारिश बनी आफत, उफनी नदियों ने थामी जिंदगी की रफ्तार

छटन नदी और देवगवां-धुम्मा पुलिया पर खतरे के ऊपर बहा पानी



पुलिस ने भी मौके पर कर्मचारियों की तैनाती की। इसके बावजूद कुछ वाहन चालक तेज बहाव के बीच जान जोखिम में डालकर पुलिया पार करते नजर आए।

कलमुड़ी अंडरपास में पानी, पुलिस ने लगाया पहरा

कोतमा के समीप कलमुड़ी अंडरपास की पुलिया भी जलमग्न रही। थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों ओर अवरोधक लगाकर आवागमन बंद कराया। पुलिया में रेलिंग नहीं होने के कारण दुर्घटना का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों के अनुसार रेलिंग लगाने की मांग कई बार की गई, लेकिन अब तक समाधान नहीं हुआ।

हाईवे से लेकर गलियों तक पानी ही पानी

कोतमा के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 के किनारे खेतों का पानी सड़क पर आने से आवागमन घंटों प्रभावित रहा। नगर के वार्ड क्रमांक 7 बनिया टोला में नाली जाम और तालाब के ओवरफ्लो होने से सड़क जलमग्न हो गई। बनिया टोला-शिशु भारती मार्ग पर गड्ढों और पानी के कारण लोगों को परेशानी हुई। कई कच्चे मकानों में पानी भरने से दीवारों और मकानों को नुकसान की स्थिति बनी। स्टेशन चौक स्थित दीनदयाल परिसर के निचले हिस्से में भी पानी भर गया। दीवार और छत से पानी रिसने के कारण दुकानदार परेशान रहे। नगर पालिका ने मोटर पंप लगाकर पानी निकासी कराई।

बैरिहा में जलभराव, मेगा प्रोजेक्ट पर सवाल

रामपुर बटूरा मेगा प्रोजेक्ट से प्रभावित ग्राम बैरिहा में जलभराव ने गंभीर रूप ले लिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि



बारिश बनी आफत, उफनी नदियों ने थामी जिंदगी की रफ्तार

छटन नदी और देवगवां-धुम्मा पुलिया पर खतरे के ऊपर बहा पानी



परियोजना में कार्यरत जय अंबे प्राइवेट लिमिटेड और एसईसीएल के कार्यों के दौरान कठना नदी के प्राकृतिक जलप्रवाह में बाधा उत्पन्न हुई, जिसके कारण बारिश का पानी गांव की ओर जमा हो रहा है। जलभराव से ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित है। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शिकायत के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंच रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता अखिलेश त्रिपाठी ने गांव पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कठना नदी के प्राकृतिक जलमार्ग को बहाल करने और तत्काल जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीणों के साथ आंदोलन किया जाएगा।

कोतमा-बिजुरी में सबसे ज्यादा बारिश

अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 10.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई। कोतमा में 25 और बिजुरी में 27.2 मिलीमीटर बारिश हुई। अनूपपुर में 9.3, जैतहरी में 4, वेंकटनगर में 1.6, पुष्पराजगढ़ में 3.6, अमरकंटक में 3.3 और बेनीबारी में 7.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। लगातार बारिश के कारण दिहाड़ मजदूरों के काम भी प्रभावित हुए हैं। निर्माण और खेतिहर मजदूरी बंद होने से रोज कमाकर प्रतिस्पर्धा चलाने



बारिश बनी आफत, उफनी नदियों ने थामी जिंदगी की रफ्तार

छटन नदी और देवगवां-धुम्मा पुलिया पर खतरे के ऊपर बहा पानी



वाले मजदूरों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

प्रशासन अलर्ट, पुल-पुलिया पार न करने की अपील

लगातार बारिश और मौसम विभाग के आगामी दिनों में बारिश के अनुमान को देखते हुए प्रशासन ने ग्राम पंचायतों को नदी-नालों, तालाबों और पुल-पुलियों पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। जहां पानी पुल के ऊपर से बह रहा है, वहां तत्काल आवागमन रोकने और कर्मचारियों की इ्यूटी लगाने को कहा गया है। बारिश का दौर जारी है और नदी-नालों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में जलमग्न पुल-पुलियों को पार करने की कोशिश जानलेवा साबित हो सकती है। प्रशासन के सामने अब लोगों की सुरक्षा के साथ बैरिहा जैसे जलभराव प्रभावित गांवों में तत्काल जल निकासी कराने की चुनौती है।

ट्रेन ठहराव की बहाली को लेकर 5 सितंबर को छुलहा रेलवे स्टेशन पर कांग्रेस सौंपेगी ज्ञापन



कोरोना काल से बंद यात्री ट्रेनों के ठहराव सहित रेलवे की विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग

अनूपपुर।

जिले के छुलहा रेलवे स्टेशन एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी विभिन्न रेलवे समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर 5 सितंबर को छुलहा स्टेशन अधीक्षक के माध्यम से बिलासपुर रेल मंडल एवं बिलासपुर एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 18235 एवं 18236, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रीति रमेश सिंह, जयसिंहनगर विधानसभा प्रभारी आशीष त्रिपाठी, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रमेश सिंह सहित कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही सेंदुरी, छुल्हा, बरी, अमगंवा एवं पिपरिया गांवों के सरपंच, जनपद सदस्य रामवती राठौर, क्षेत्र के ग्रामीणजन एवं आम नागरिक भी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर रेलवे से जुड़ी समस्याओं के निराकरण की मांग करेंगे। रजन कुमार राठौर ने बताया कि कोरोना काल के दौरान बंद किए गए यात्री ट्रेनों के ठहराव को छुलहा रेलवे स्टेशन पर पुनः बहाल करना की प्रमुख मांगों में शामिल है। उन्होंने बताया कि कोरोना काल से पहले इंदौर-बिलासपुर एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 18234 एवं 18233, भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 18235 एवं 18236, रीवा-बिलासपुर गाड़ी संख्या 18247 एवं 18248, बिलासपुर-चिरमिरी गाड़ी संख्या 18257 एवं 18258 तथा दुर्ग-अंबिकापुर गाड़ी संख्या 18241 एवं 18242 सहित अन्य यात्री ट्रेनों का छुलहा स्टेशन पर ठहराव होता था। इन ट्रेनों के ठहराव से आसपास के ग्रामीणों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों, व्यापारियों एवं आम यात्रियों को आवागमन की सुविधा मिलती थी। कांग्रेस नेता का आरोप है कि कोरोना काल के बाद रेलवे द्वारा इन ट्रेनों के ठहराव को पुनः बहाल नहीं किया गया, जिससे क्षेत्र की बड़ी आबादी को आवागमन में परेशानी का सामना

करना पड़ रहा है।

उन्होंने दावा किया कि छुलहा, नगढ़ा, सिन्दुरी, हरी, बरी, भगतबांध, मौहरी, अमगंवा, बेलिया, बेला, टांकी, कुसमहाई, खिरनाटोला, कांसा, कोड़ा, अमरियानार सहित आसपास के 15 से अधिक गांवों की करीब 30 हजार की आबादी इससे प्रभावित हो रही है। रजन कुमार राठौर ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इन ट्रेनों का छुलहा स्टेशन पर ठहराव किया गया था। उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान सरकार गरीब और आम यात्रियों की सुविधाओं की अनदेखी कर रही है तथा उद्योगपतियों के हितों को प्राथमिकता दी जा रही है। चेतावनी देते हुए कहा कि छुलहा रेलवे स्टेशन पर पूर्व में रुकने वाली यात्री ट्रेनों का ठहराव जल्द से जल्द पुनः आरंभ नहीं किया गया तो कांग्रेस पार्टी ग्रामीणों एवं यात्रियों के साथ मिलकर आंदोलन करेगी। जैतहरी ब्लॉक अध्यक्ष ने बताया कि छुल्हा रेलवे स्टेशन में बने फुट ओवर ब्रिज जो प्लेटफॉर्म एक नंबर से दो नंबर तीन नंबर व चार नंबर प्लेटफॉर्म में जाती है उसको दोनों साइड विस्तार किया जाए चार नंबर से उधर रोड साइड विस्तार किया जाए और एक नंबर से इधर रोड साइड विस्तार किया जाए, छुल्हा रेलवे स्टेशन के सामने रोड बस स्टैंड होने के वजह से आम नागरिक को रेलवे गाड़ी खड़ी रहने करण आने-जाने में भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है एवं खड़ी मालगाड़ी के नीचे से आवागमन करते हैं। ज्ञात हो कि पहले स्टेशन के बगल से लेवल क्रॉसिंग था उसको रेल प्रशासन ने तोड़कर 1 किलोमीटर दूर अंडर ब्रिज बनाया गया है और उस अंडर ब्रिज का सीसी वा डामरी करण रोड भी छुल्हा रेलवे स्टेशन रोड से ग्राम पंचायत रोड तक परमानेंट पक्की रोड नहीं बनाया गया जिसे बनवाया जाए। इसके अलावा हरी-बरी अंडरब्रिज, बीके-60 तथा बाईपास अंडरब्रिज में बारिश के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या के स्थायी निराकरण की मांग भी की जाएगी। कांग्रेस के अनुसार, समुचित जल निकासी व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश के समय ग्रामीणों एवं राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन में रेलवे साइड से जुड़े लिंक रोड का डामरीकरण, दोनों ओर नाली निर्माण तथा जल निकासी की उचित व्यवस्था किए जाने की मांग भी रखी जाएगी।

